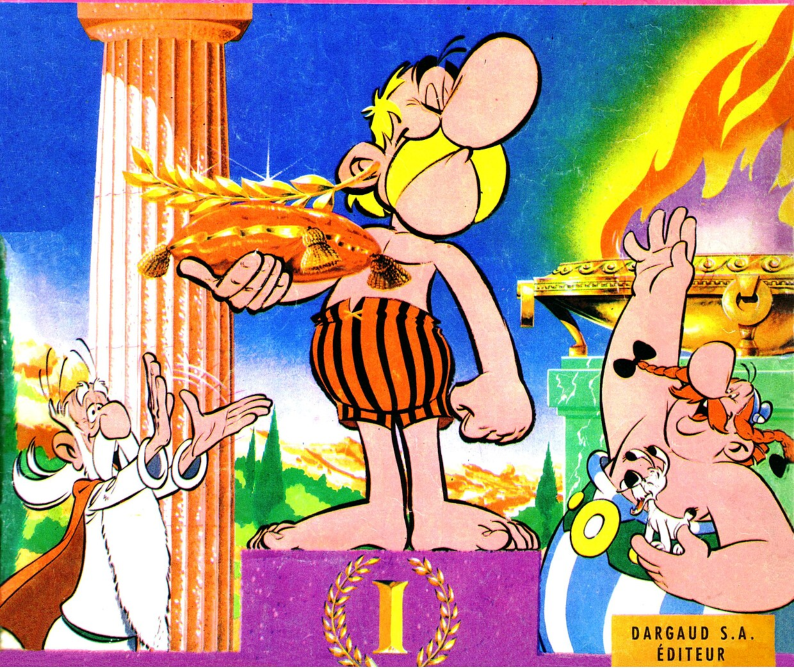
dargaud présente

एस्ट्रिक्स ऑलम्पिक में

द्वारा : गोसिनी तथा उडरज़ो



DARGAUD S.A.
ÉDITEUR

एस्ट्रिक्स ऑलम्पिक में

कथा : गोसिनी
चित्र : उडरज़ो

अनुवाद : एच० आई० पाशा
सुलेख : हरीश एम० सूदन
Price Rs. 5.00



GOWARSONS
PUBLISHERS PRIVATE LTD.
Gulab House, Mayapuri Industrial Area, New Delhi-110 064

DANS LE MONDE ASTERIX EN LANGUES ETRANGERES

AFRIQUE DU SUD :
Hodder Dargaud, PO Box 32213, Braamfontein Centre, Braamfontein 2017, Johannesburg, Afrique du Sud

AMERIQUE HISPANOPHONE :
Grijalbo-Dargaud S.A., Deu y Mata 98-102, Barcelone 29, Espagne

AUSTRALIE :
Hodder Dargaud, 2 Apollo Place, Lane Cove, New South Wales 2066, Australie

AUTRICHE :
Delta Verlag, Postfach 1215, 7000 Stuttgart 1, R.F.A.

BELGIQUE :
Dargaud Benelux, 3 rue Kindermans, 1050 Bruxelles, Belgique

BRESIL :
Cedibra, Rua Filomena Nunes 162, Rio de Janeiro, Bresil

CANADA :
Dargaud Canada Ltee, 307 Benjamin Hudon, St.-Laurent, Montreal PQ H4 N1J1, Canada

DANEMARK :
Gutenberghus Bladene, Vognmagergade 11, 1148 Copenhague K, Danemark

EMPIRE ROMAIN :
Delta Verlag, Postfach 1215, 7 Stuttgart 1, R.F.A. (Latin)

ESPAGNE :
Grijalbo-Dargaud S.A., Deu y Mata 98-102, Barcelone 29, Espagne

ESPERANTO :
Delta Verlag, Postfach 1215, 7 Stuttgart 1, R.F.A.

ETATS-UNIS D'AMERIQUE :
Dargaud International Publishing Inc., 535 Fifth Avenue, New York 10017, New York, United States of America

FINLANDE :
Sanoma Osakeyhtio, Ludviginkatu 2-10, 00130 Helsinki 13, Finlande

HONG KONG :
Hodder Dargaud, c/o United Publishers Book Services, Stanhope House, 7th Floor, 734 King's Road, Hong Kong

HOLLANDE :
Dargaud Benelux, 3 rue Kindermans, 1050 Bruxelles, Belgique. Distribution: Oberon, Ceylonpoort 5/25, Haarlem, Hollande

HONGRIE :
NIP Forum, Vojvode Misica 1-3, 2100 Novi Sad, Yougoslavie

INDE :
Gowarsons Publishers Private Ltd., Gulab House, Mayapuri, New Delhi 110064, Inde

INDONESIE :
Penerbit Sinar Harapan, J1. Dewi Sartika 136 D, PO Box 015 JNG, Jakarta, Indonesie

ISLANDE :
Fjolvi HF,Njorvasund 15a Reykjavik, Islande

ISRAEL :
Dahlia Pelled Publishers, 5 Hamekoubalim St., Herzeliah 46447, Israel

ITALIE :
Dargaud Italia, Piazza Velasca 5, 20122 Milan, Italie

NORVEGE :
A/S Hjemmet (Groupement Gutenberghus), Kristian den 4des Gate 13, Oslo 1, Norvege

NOUVELLE ZELANDE :
Hodder Dargaud, PO Box 3858, Auckland 1, Nouvelle Zelande

PAYS DE GALLES :
Gwasg Y Dref Wen, 28 Church Road, Whitchurch, Cardiff, Pays de Galles

PORTUGAL :
Meriberica, Av. Pedro Alvares Cabral 84-1° Dto, 1296 Lisbonne Codex, Portugal

REPUBLIQUE FEDERALE ALLEMANDE :
Delta Verlag, Postfach 1215, 7 Stuttgart 1, R.F.A.

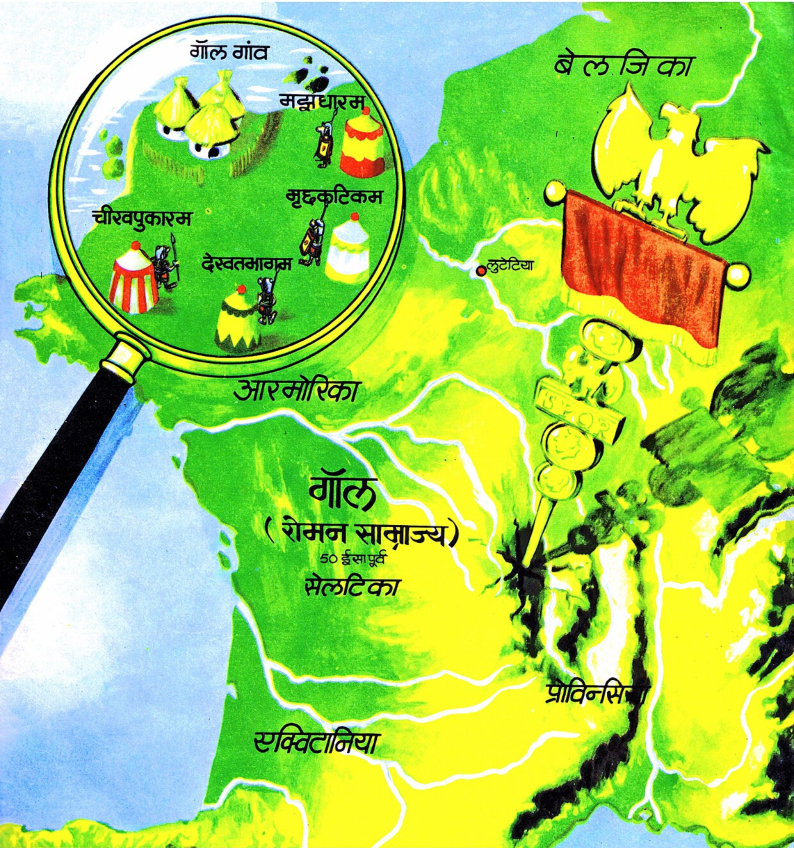
ROYAUME UNI :
Hodder Dargaud, Mill Road, Dunton Green, Sevenoaks, Kent TN132XX, Angleterre

SUEDE :
Hemmets Journal Forlag (Groupement Gutenberghus), Fack 200 22 Malmo, Suede

SUISSE :
Interpress Dargaud S.A., En Budron B, 1052 Le Mont/Lausanne, Suisse

TURQUIE :
Kervan Kitabcilik, Basin Sanayii ve Ticaret AS, Tercuman Tesisleri, Topkapi-Istanbul, Turquie

YOUGOSLAVIE :
NIP Forum, Vojvode Misica 1-3, 2100 Novi Sad, Yougoslavie

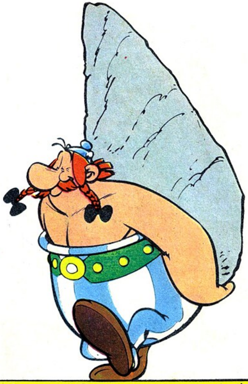


50 ईसापूर्व का वर्ष..... गॉल की धरती पर पूरी तरह रोमनों का कब्जा हो चुका है! नहीं, पूरी तरह नहीं– एक छोटा सा गांव अब भी ऐसा है जिस पर रोमन शक्ति तो अधिकार नहीं जमा सकी अलबत्ता गांववालों ने उन रोमन सिपाहियों की नाक में रस्सी बांध रखी है जो गांव के चार करीबी छावनियों "मझधारम", "चीरवपुकारम", "मृध्दकटिकम", तथा "देखवतभागम," में डेरा डाले हुए हैं.....

कुछ प्रमुख गॉलवासी



एस्ट्रिक्स! हमारी इस शौर्य कथा का नायक! एक चालाक और बड़ी दूर तक सोचने वाला, छोटे कद का मगर बड़े दिल गुर्दे वाला लड़ाकू! गांव में आने वाली हर समस्या के समाधान का कार्य इसी को सौंपा जाता है! एस्ट्रिक्स अपनी अद्भुत शक्ति उस काढ़े से प्राप्त करता है जो हकीम वैद्यनाथिक्स बनाता है....



ओबेलिक्स! एस्ट्रिक्स का लंगोटिया यार - मेन्हिर बनाने का धंधा करता है और जंगली सूअर खाने का शौकीन है! जब भी एस्ट्रिक्स किसी नये अभियान पर निकलता है ओबेलिक्स अपने सारे धंधे छोड़कर उसके साथ चल पड़ता है - शर्त यही होती है कि खाने के लिए सूअर और सेहत बनाने के लिए मारपीट होती रहे...



वैद्यनाथिक्स! गांव का अद्भुत हकीम! विशेष तरह की जड़ी बूटियां इकट्ठा करता है और उन से जादुई काढ़ा बनाता है - ऐसा काढ़ा जिसे पीते ही आदमी के शरीर में अद्भुत शक्ति आ जाती है! इसके अलावा भी उसके पास अनेक पकवानों के रहस्य हैं......



और - मोटू मलिक्स! गांव का मुखिया! आन-बान और शान से भरपूर और गर्म मिजाज! उसके अपने उसकी इज्जत करते हैं और दुश्मन डरते हैं! खुद मोटू मलिक्स को केवल एक डर सताता है - कल उसके सिर पर आसमान टूट गिरेगा! पर वह यह भी कहता है कि कल कभी नहीं आता!



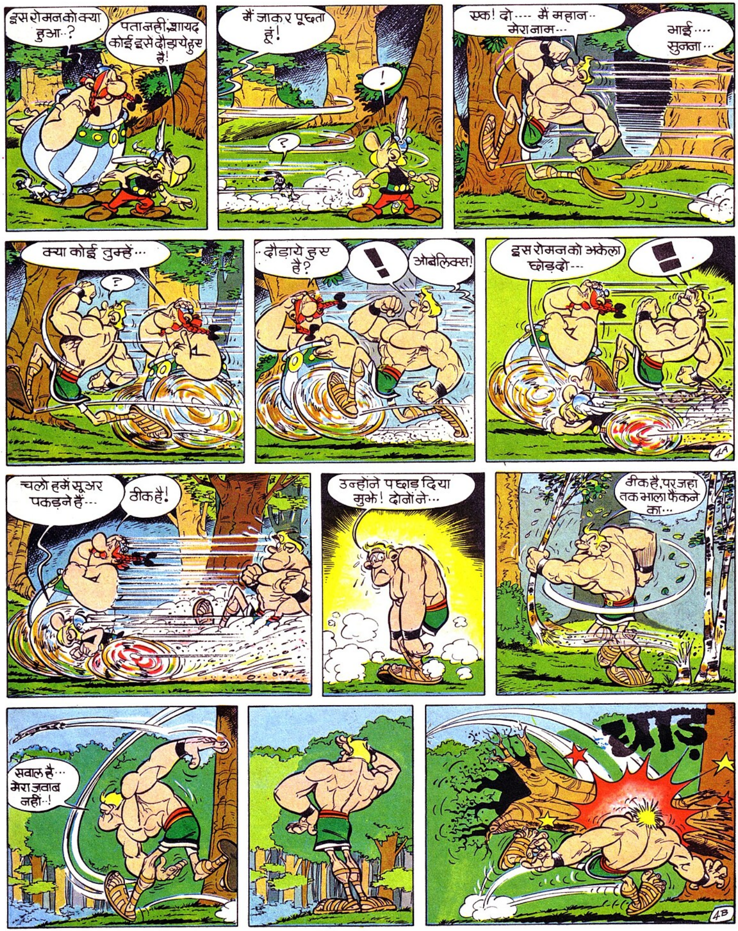
बेसुरिक्स, गवैया! उसकी संगीत प्रतिभा के बारे में दो विचार धाराएं पाई जाती हैं! स्वयं बेसुरिक्स के विचार में वह महान है! अन्य लोग उसका मुंह खुलते ही दांत पीस कर कानों में अंगुली रख लेते हैं! जब तक वह मुंह बंद रखता है सभी उसे पसंद करते हैं!


बसंत की ऋतु है और गॉल के उस गांव में शांति है! ओबेलिक्स और उसका सहायक भौंकिंक्स मेंहिर पहुंचाने निकल पड़े हैं! एस्ट्रिक्स अपनी झोपड़ी के सामने धूप का मजा ले रहा है! जी हां, टाटॉटिक्स देवता की कसस·· गांव में पूरी तरह से शांति है----
लेकिन---रोमन सैनिकों को छावनी 'मझधारम' में काफी जोश दिख रहा है··
कसम शनि महाराज की!
मेरे प्यारे बड़बोलस!
मरकरी की कसम!
हमारा प्यारा सीजर!
हम तुम्हारे साथ हैं!
?
इतना शोर-शराबा किसलिए है?
अभी-अभी रोम से खबर आयी है कि बड़बोलस लोहातोड़स को ऑलम्पिक खेलों के लिए चुना गया है!
बड़बोलस? यह कौन है??
तुम नहीं जानते? बड़बोलस अपनी छावनी का चैम्पियन है हमें उस पर गर्व है!
बड़बोलस, मैंने तुम्हें परीक्षण के लिए रोम भेज कर अकलमंदी की थी! रोम के खिलाड़ियों के साथ तुम्हें चुना गया है!
इस में ताज्जुब की क्या बात है? मैं हूं ही महान!



मैं मझधारम् के करीब कुकुरमुत्ता तोड़ रहा था! तभी मैंने उनकी जोशभरी आवाजें सुनी-- जरूर कुछ गड़बड़ है--!
हूं--सचमुच ताज्जुब की बात है-- वैद्यनाथिक्स--!
शोरबा?--कुकुरमुत्ते का शोरबा बहुत अच्छा होता है!
?
शोरबा?--- ओबेलिक्स, तुम्हें शोरबे के अलावा कुछ और नहीं सूझता?
जिन लोगों को खाने-पीने की तमीज होती है वे हमेशा इस का आमलेट बनाते हैं!
लेकिन सुखिया मोटूमलिक्स--
कोई बहस नहीं, कुकुरमुत्ते का आमलेट ही बनेगा--!!
मैं तो सोच रहा था भूनना अच्छा रहेगा---
ये लोग किसी भी मामले की गंभीरता को महसूस नहीं कर सकते!
तो आप की क्या राय है, हकीम जी?
यही कि कुकुरमुत्ते का सालन बढ़िया है!
इस की खुशबू बहुत अच्छी होती है!
???

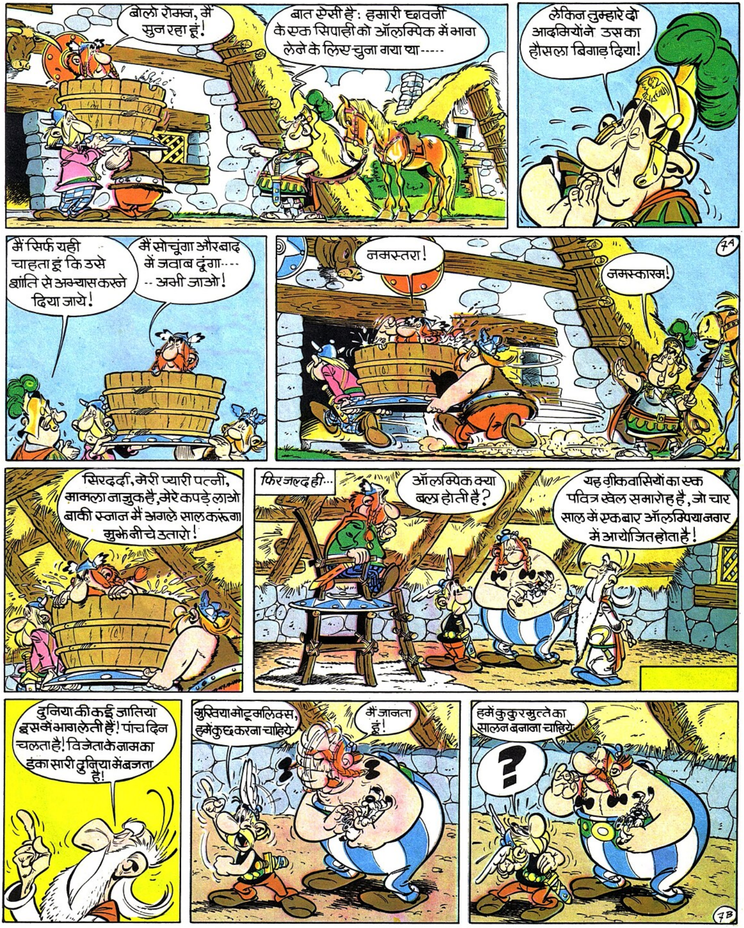

मक्खाधारम छावनी में भोजन के लिए बिगुल बजा....
पों पों पों
लेकिन बड़बोलस का भोजन संगीत लहरियों के साथ आया...
यह रहा तुम्हारा खाना! इतना काफी होगा?
खाना बुरा नहीं है सूबेदार महत्वाकांक्षस! फौज में राशन अब काफी अच्छा मिलने लगा है.. यह क्या है?
यह पीले शुतुरमुर्ग का अंडा है... फारस की खाड़ी से आया है!
अगर तुम ऑलम्पिक से 'स्वर्ण-पंजा' जीत लाओ तो तुम्हें अखाड़े के पास और तरक्की भी मिलेगी!
तुम मेरी छावनी के सिपाही हो, तुम जीतोगे तो मैं पूरे गॉल का सेनापति बन जाऊंगा... मुझे निराश न करना
चिन्ता छोड़ो, मैं तुम्हें निराश नहीं करूंगा!
3A
मुझे हराना किसी माई के लाल के बस का नहीं ..अब मैं अभ्यास के लिये जाऊंगा...
जवान के हौंसले बुलंद हैं... ऐसे में यह हार नहीं सकता!
कौन है दुनिया का सब से तेज दौड़ने वाला इन्सान? ..मैं.. मैं.. मैं....
इसी बीच जंगल के दूसरे भाग में....
जंगल का कोई सूअर मुझ से बचकर नहीं निकल सकता हकीमजी ने मुझे आज काढ़ा पीने को दिया था..
ठीक है.. ठीक है.. तुमने काढ़ा पिया है तो मैं क्या करूं...
एक! दो!.. एक! दो....
???
3B



इस रोमन को क्या हुआ..?
पता नहीं, शायद कोई इसे दौड़ाये हुए है!
मैं जाकर पूछता हूं!
!
?
एक! दो.... मैं महान.. मेरा नाम...
भाई.... सुनना...
क्या कोई तुम्हें...
?
..दौड़ाये हुए है?
!
ओबेलिक्स!
इस रोमन को अकेला छोड़ दो---
!
4A
चलो हमें सूअर पकड़ने हैं---
ठीक है!
उन्होंने पछाड़ दिया मुझे! दोनों ने...
ठीक है, पर जहां तक भाला फेंकने का...
सवाल है... मेरा जवाब नहीं..!
धाड़
4B


जाओ चैम्पियन, आराम करो!
मैं चैम्पियन नहीं हूं....... मैं बेकार हूं!
बड़ी कमजोरी महसूस हो रही है.. मुझे कुछ करना चाहिये.. झाड़ू कहां है?
मुझे इन गॉलियों से बात करनी पड़ेगी!
सूबेदार महत्वाकांक्ष को देखते ही गांववालों की भवें तन गयीं....
यह रोमन यहां क्यों आया है?
मुझे अपने मुखिया से मिलाओ!
मुखिया कुछ कर रहे हैं---!
6A
उससे कहो, मामला बहुत नाज़ुक और जरूरी है!
ठीक है, इतने बैचेने क्यों हो रहे हो? क्या आसमान टूट रहा है?
हमेशा यही होता है! जब भी मैं नहाने बैठता हूं कोई आ पहुंचता है... पिछले साल भी यही हुआ था..!
लेकिन, उस रोमन के सामने मुझे पूरी शान शौकत के साथ जाना चाहिये----!
!!!
6B


रोमन जवान, मेरे दोस्त की हरकत का बुरा न मानो.....
ओबेलिक्स, तुमने इसे क्यों मारा? बेचारे ने तुम्हारा क्या बिगाड़ा था...
इसने मेरे सिर पर डंडी मारी, मैंने पेड़ खींचकर मार दिया...हिसाब बराबर....!
कसम शनि देवता की मैं तुम्हें नहीं जाने दूंगा...!
मोटे, मैं हर तरह की कुश्ती का उस्ताद हूं...मुक्केबाजी में मैं तुझे एक ही हाथ में चित कर दूंगा...!
मैं मोटा नहीं हूं.....!
एस्ट्रिक्स, आज तुम साफ-साफ कह डालो, क्या मैं मोटा हूं?
अरे नहीं, सिर्फ तुम्हारा पेट जरा उभर आया है, अब चलो, सूअर पकड़ना है!
मैं कुछ नहीं कर सकता...मैं बेकार हूं!
कौन तुम्हें बेकार कहता है?
क्या मतलब है तुम्हारा?
मैं कहता हूं कि मैं बेकार हूं! सारे गॉलवासी मुझे पीट चुके हैं! एक मोटी तोंद वाला, दूसरा छोटे कद वाला! दोनों ने मुझे पीटा!
गॉलवासी! शनि देवता की कसम, काफी दिनों से इन लोगों ने कोई गड़बड़ नहीं की थी!

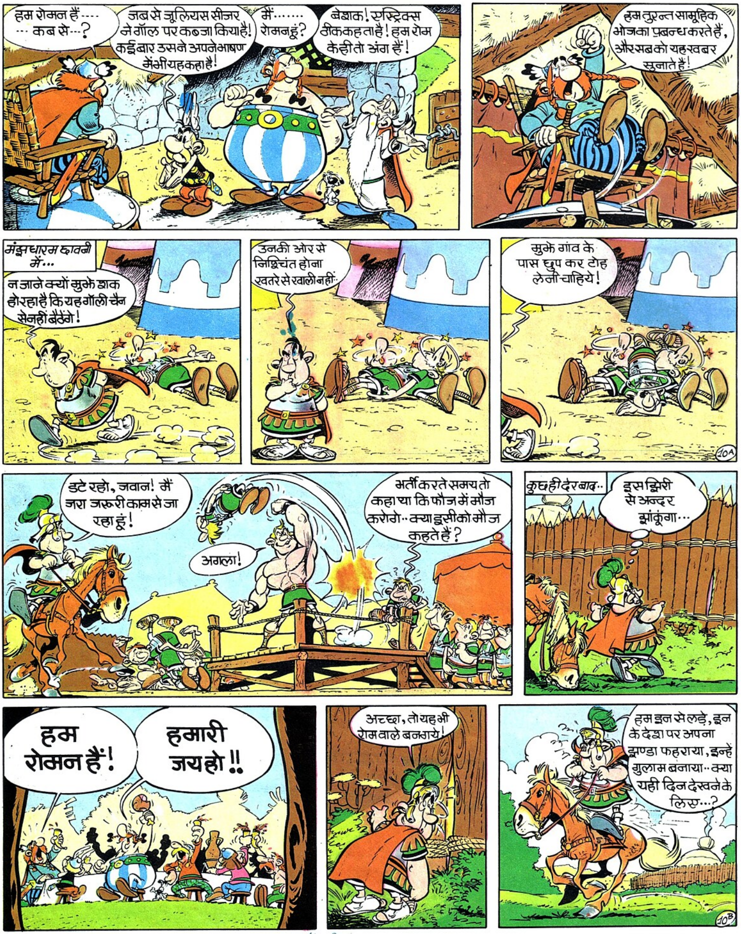


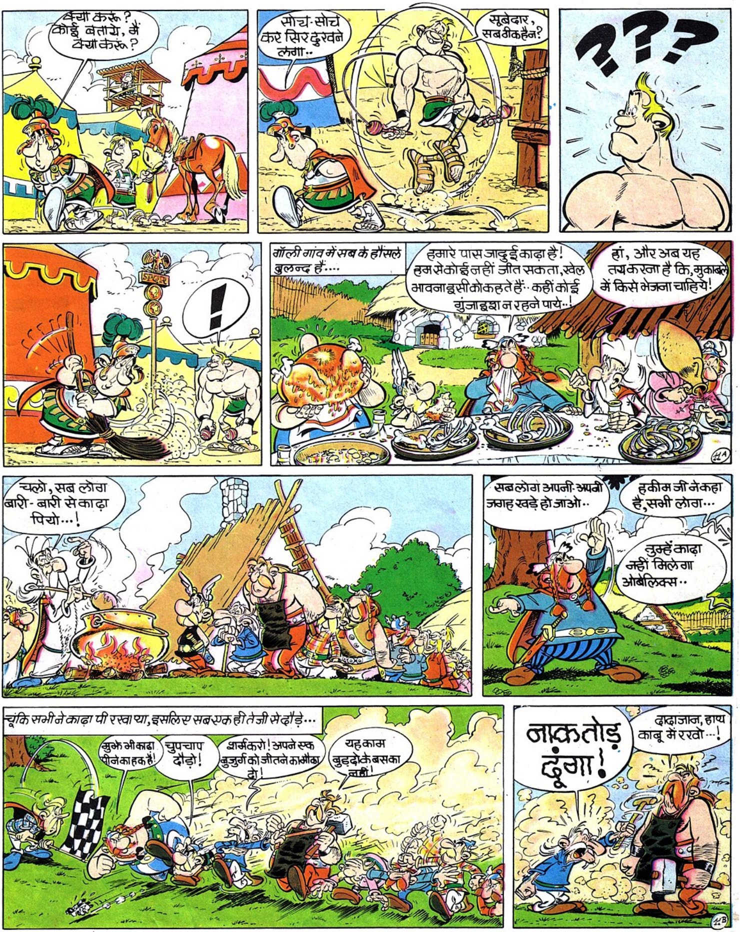
बोलो रोमन, मैं सुन रहा हूं!
बात ऐसी है: हमारी छावनी के एक सिपाही को ऑलम्पिक में भाग लेने के लिए चुना गया था-----
लेकिन तुम्हारे दो आदमियों ने उस का हौसला बिगाड़ दिया!
मैं सिर्फ यही चाहता हूं कि उसे शांति से अभ्यास करने दिया जाये!
मैं सोचूंगा और बाद में जवाब दूंगा---- -- अभी जाओ!
7A
नमस्तरा!
नमस्कारम!
सिरदर्दा, मेरी प्यारी पत्नी, मामला नाजुक है, मेरे कपड़े लाओ बाकी स्नान मैं अगले साल करूंगा मुझे नीचे उतारो!
फिर जल्द ही...
ऑलम्पिक क्या बला होती है?
यह ग्रीकवासियों का एक पवित्र खेल समारोह है, जो चार साल में एक बार ऑलम्पिया नगर में आयोजित होता है!
दुनिया की कई जातियां इसमें भाग लेती हैं! पांच दिन चलता है! विजेता के नाम का डंका सारी दुनिया में बजता है!
मुखिया मोटू मलिक्स, हमें कुछ करना चाहिये
मैं जानता हूं!
हमें कुकुरमुत्ते का सालन बनाना चाहिये
?
7B



मैं बता रहा हूं- अब वे तुम्हें तंग नहीं करेंगे-एक अच्छे जवान की तरह झाड़ू छोड़ो----
नहीं, मैं तो अब झाड़ू लगाने के भी काबिल नहीं हूं---!
अगर यह मान भी लिया जाये कि वे लोग तुम से बेहतर हैं, तो इसका कारण सिर्फ वह जादुई काढ़ा है जिसे पीकर वे शक्ति--शाली बन जाते हैं!
वहां- तुम्हारे प्रतिद्वंद्वी जादुई काढ़ा पीकर नहीं आयेंगे··हो हो हो!
हां, यह तो सही है·· मैंने सोचा ही नहीं था!
सूबेदार, तुम से एक गॉली मुखिया मिलने आया है!
बहुत अच्छा! मैं उन से उन्हीं के तरीके से मिल कर अपनी मित्र भावना प्रकट करूंगा! मेरा टोपा कहां है? मेरा टोपा!!
कुछ ही देर बाद···
गॉलवासी, सूबेदार अपने तम्बू के बाहर तुम्हारा इंतजार कर रहे हैं!
लड़को, सुना तुम ने? चलो अन्दर····!
नमस्तश!
नमस्कारम!
तुम ने जो कहा था हमने उस पर गौर किया···
फिर····?
हमारा फैसला है कि हम भी ऑलम्पिक में भाग लेंगे!
क्या?
हां, ऑलम्पिक में हम अपने चैम्पियन को भेजेंगे! जो ताकतवर होगा वही जीतेगा·····


गॉली, एक मिनट रुको!
ठहरो, लड़को!
तुम लोग ऑलम्पिक में भाग नहीं ले सकते! वे खेल केवल ग्रीकवासियों के लिए हैं! बाहरवालों में सिर्फ रोमनों को आमंत्रित किया गया है, तुम गॉलवासी नहीं जा सकते!
तुम मजाक कर रहे हो क्या?
तुम खुद जाकर देख लो! मैं हर किसी से मजाक करना पसंद नहीं करता!
बड़बोलस, अब तो ठीक है न?
ठीक की क्या पूछते हो....
मेरे हौंसले बुलंद हैं... मुझे तुरंत अभ्यास शुरू करना चाहिए!
जल्द ही....
वह रोमन सही कहता है! ग्रीक देवताओं के उस उत्सव में केवल रोमन और ग्रीक भाग ले सकते हैं!
कसम बरसावन देवता की....
हम भी रोमन हैं!


हम रोमन हैं ....
... कब से ...?
जब से जूलियस सीज़र ने गॉल पर कब्जा किया है! कई बार उसने अपने भाषण में भी यह कहा है!
मैं....... रोमन हूं?
बेशक! एस्ट्रिक्स ठीक कहता है! हम रोम के ही तो अंग हैं!
हम तुरन्त सामूहिक भोज का प्रबन्ध करते हैं, और सब को यह खबर सुनाते हैं!
मंझधारम छावनी में...
न जाने क्यों मुझे शक हो रहा है कि यह गॉली चैन से नहीं बैठेंगे!
उनकी ओर से निश्चिंत होना खतरे से खाली नहीं..
मुझे गांव के पास छुप कर टोह लेनी चाहिये!
10A
डटे रहो, जवान! मैं जरा जरूरी काम से जा रहा हूं!
अगला!
भर्ती करते समय तो कहा था कि फौज में मौज करोगे.. क्या इसी को मौज कहते हैं?
कुछ ही देर बाद..
इस झिरी से अन्दर झांकूंगा...
हम रोमन हैं!
हमारी जय हो!!
अच्छा, तो यह भी रोम वाले बन गये!
हम इन से लड़े, इन के देश पर अपना झण्डा फहराया, इन्हें गुलाम बनाया.. क्या यही दिन देखने के लिए...?
10B

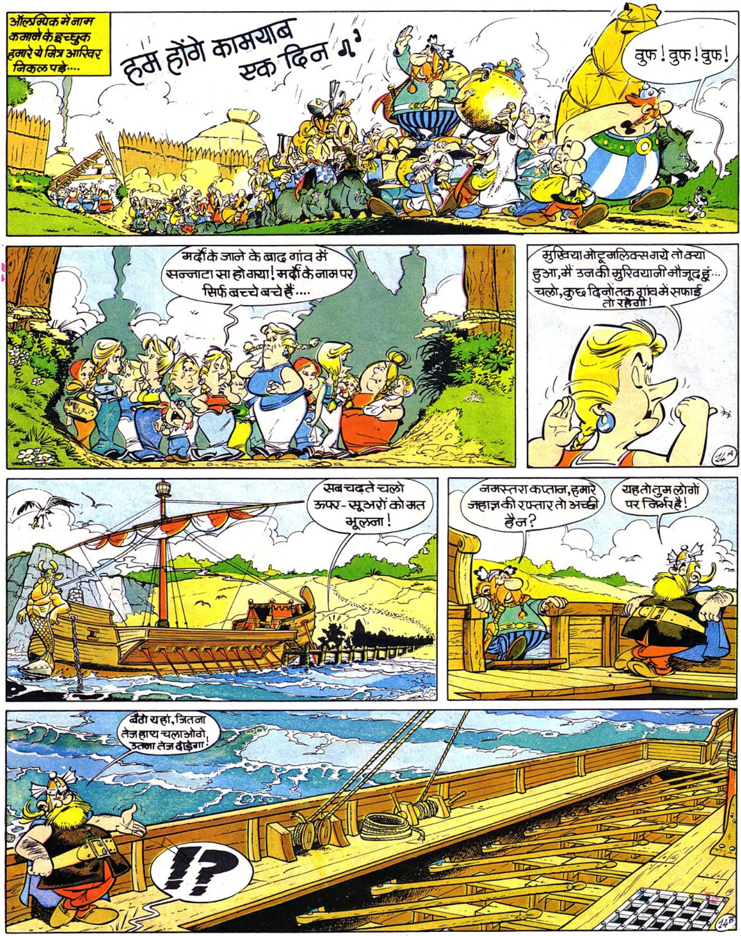


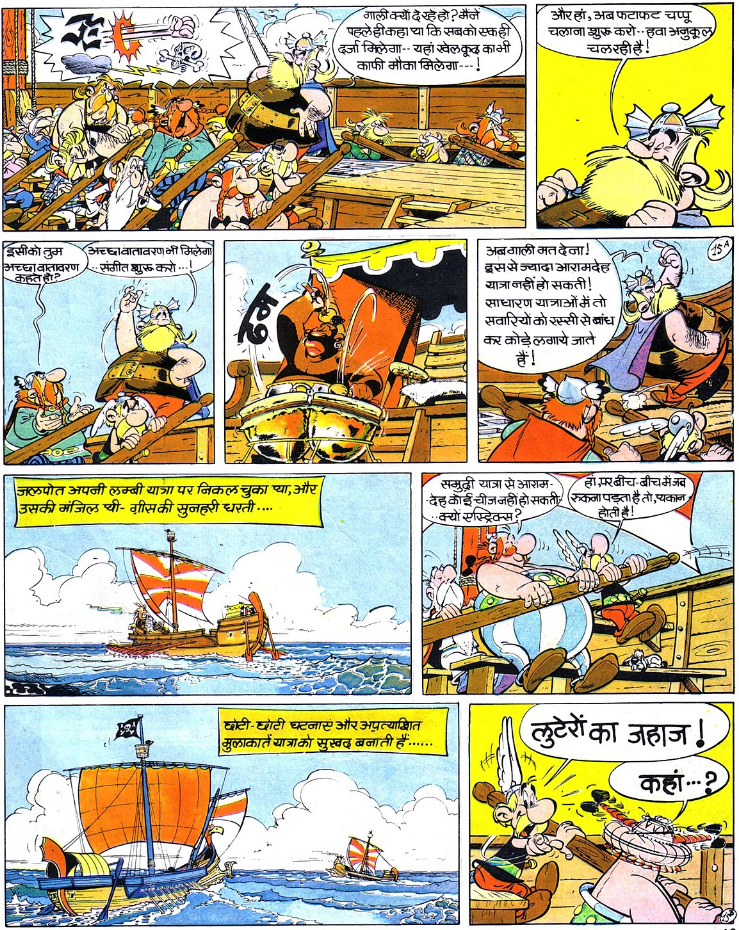
क्या करूं? कोई बताये, मैं क्या करूं?
सोच-सोच कर सिर दुखने लगा..
सूबेदार, सब ठीक है न?
???
!
गॉली गांव में सब के हौंसले बुलन्द हैं....
हमारे पास जादुई काढ़ा है! हम से कोई नहीं जीत सकता, खेल भावना इसी को कहते हैं.. कहीं कोई गुंजाइश न रहने पाये..!
हां, और अब यह तय करना है कि, मुकाबले में किसे भेजना चाहिये!
चलो, सब लोग बारी-बारी से काढ़ा पियो...!
सब लोग अपनी-अपनी जगह खड़े हो जाओ..
हकीम जी ने कहा है, सभी लोग...
तुम्हें काढ़ा नहीं मिलेगा ओबेलिक्स..
चूंकि सभी ने काढ़ा पी रखा था, इसलिए सब एक ही तेज़ी से दौड़े...
मुझे भी काढ़ा पीने का हक है!
चुपचाप दौड़ो!
शर्म करो! अपने एक बुजुर्ग को जीतने का मौका दो!
यह काम बुड्ढों के बस का नहीं!
नाक तोड़ दूंगा!
दादाजान, हाथ काबू में रखो...!


गांव के सब से बुज़ुर्ग आदमी को भेजा जाना चाहिये !!
नहीं, मैं जाऊंगा ऑलम्पिक में खेलने··
तुम से अच्छा तो मौंकिक्स को भेजना होगा··!
मौंकिक्स मुझ से अच्छा है····?
खुद देख लो·· तुम इसकी तरह पिछली टांगों से कान खुजला सकते हो···?
?!!
शांति - शांति ! ऑलम्पिक कमेटी हमारी टीम चुन चुकी है !
हमारी टीम का पहला खिलाड़ी है - एस्ट्रिक्स ! दूसरा - ओबेलिक्स, क्यों कि इसके ऊपर जादुई काढ़े का स्थायी प्रभाव मौजूद है !
हां ! इसलिए कि मैं बचपन में काढ़े के पतीले में गिर गया था !
मैं जानता हूं !
और अपनी टीम का हौसला बुलंद करने हम सब उनके साथ ऑलम्पिक में जायेंगे···!
प्यारे एस्ट्रिक्स की जय !
मुखिया मोटूमलिक्स की जय !
प्यारे ओबेलिक्स की जय !
?
यह चुनाव ठीक नहीं है·· इधर देखो····
!!!!



ज्यों-ज्यों ऑलम्पिक का समय नजदीक आता गया, रोमन छावनी में लोगों की स्थिति दयनीय होती गयी··
दूसरी ओर··· गॉलीगांव में हर किसी का हौसला पूरी तरह बुलंद था···
मैं ने एक जहाज किराये पर ले लिया है! एक ही दर्जा है, खेलकूद का भी बढ़िया प्रबंध है! वातावरण शानदार है!
खिलाड़ियों की जिम्मेदारी हकीम वैद्यनाथिक्स ने अपने सिर ले ली है··
हमें इनको लगातार अभ्यास करवाना चाहिये! विदेशी भोजन इन की सेहत बिगाड़ सकता है!
संतुलित आहार का प्रबंध जरूरी है!
संतुलित आहार किसे कहते हैं, हकीमजी?
इसे!
13A
गवैया बेसुरिक्स इस अवसर पर एक नया गीत बनाना चाह रहा था
मैं एक आलम्पिक गीत गाऊंगा!
!
नहीं, तुम नहीं गाओगे!
?
?
इसे क्या हुआ?
शायद कोई नया सुर निकालने की कोशिश में है!
यात्रा से एक दिन पहले दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने अपना सामान बांधा···
13B


ऑलम्पिक में नाम कमाने के इच्छुक हमारे ये मित्र आखिर निकल पड़े....
हम होंगे कामयाब एक दिन
वुफ! वुफ! वुफ!
मर्दों के जाने के बाद गांव में सन्नाटा सा हो गया! मर्दों के नाम पर सिर्फ बच्चे बचे हैं....
मुखिया मोटू मलिक्स गये तो क्या हुआ, मैं उनकी मुखियानी मौजूद हूं... चलो, कुछ दिनों तक गांव में सफाई तो रहेगी!
सब चढ़ते चलो ऊपर - सूअरों को मत भूलना!
नमस्तरा कप्तान, हमारे जहाज़ की रफ्तार तो अच्छी है न?
यह तो तुम लोगों पर निर्भर है!
बैठो यहां, जितना तेज हाथ चलाओगे, उतना तेज दौड़ेगा!
!?


गाली क्यों दे रहे हो? मैंने पहले ही कहा था कि सबको एक ही दर्जा मिलेगा-- यहां खेलकूद का भी काफी मौका मिलेगा---!
और हां, अब फटाफट चप्पू चलाना शुरू करो--हवा अनुकूल चल रही है!
इसी को तुम अच्छा वातावरण कहते हो?
अच्छा वातावरण भी मिलेगा ..संगीत शुरू करो ...!
अब गाली मत देना! इस से ज्यादा आरामदेह यात्रा नहीं हो सकती! साधारण यात्राओं में तो सवारियों को रस्सी से बांध कर कोड़े लगाये जाते हैं!
जलपोत अपनी लम्बी यात्रा पर निकल चुका था, और उसकी मंजिल थी- ग्रीस की सुनहरी धरती ....
समुद्री यात्रा से आराम-देह कोई चीज नहीं हो सकती ..क्यों एस्ट्रिक्स?
हां, पर बीच-बीच में जब रुकना पड़ता है तो, थकान होती है!
छोटी-छोटी घटनाएं और अप्रत्याशित मुलाकातें यात्रा को सुखद बनाती हैं......
लुटेरों का जहाज!
कहां...?

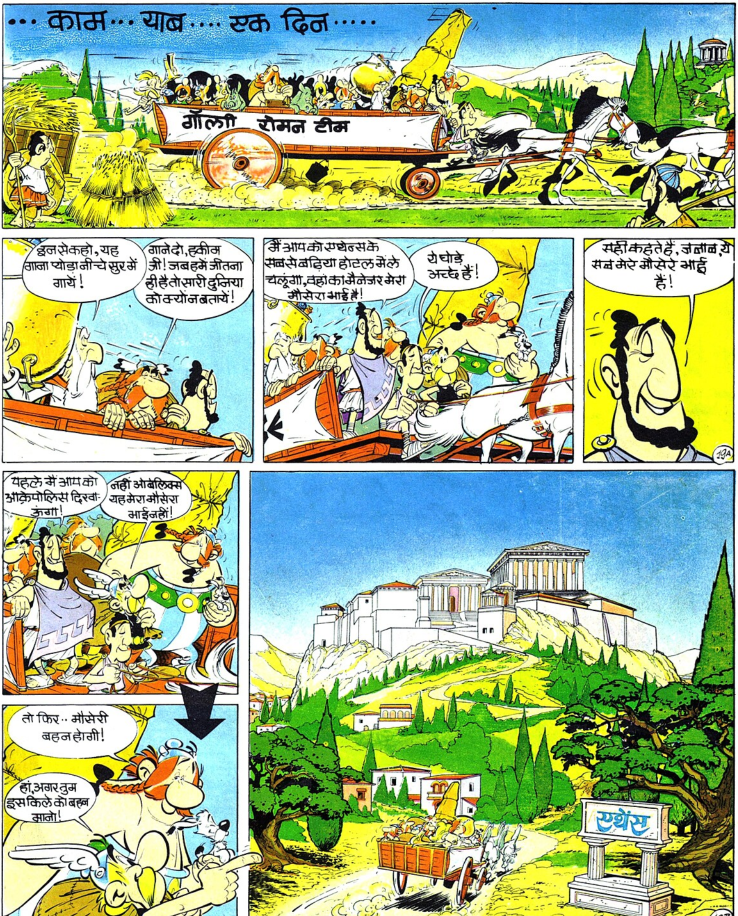

सरदार, शिकार आ रहा है!
ठीक से देखकर बताओ, उसपर कोई गॉलवासी तो सवार नहीं...?
सरदार, पूरा जहाज लड़ाकू गॉलवासियों से भरा हुआ है!
साथियो, हमें अपना जहाज डुबो कर जान बचानी चाहिये वरना वे आकर डुबो देंगे-साथ में हमें भी·
वह शिकार मेरा है तुम हाथ मत लगाना!
थुफ!
धक्का मत दो!
बुजुर्ग लोग पहले धावा बोलेंगे!
एक मिनट रुको!
16A
हमारे किराये में डाकुओं पर हमला बोल कर आनंद उठाने की फीस शामिल नहीं है! इसके लिए अलग पैसे लूंगा!!
?
?
तुम चोर हो! ठग हो!!
··मेरा मतलब है एक जहाज से दूसरे पर चढ़ना··
हमारे सौदे में नहीं था·· यह सौदा अलग से होगा--!
मैं तुम्हारी कम्पनी से शिकायत करुंगा! शर्म आनी चाहिये· रखो अपने डाकुओं को· हमें नहीं चूना···
उन्होंने हमारी तरफ देखा भी नहीं! ऐसा कभी नहीं हुआ!
खाने में किस को पहले खाया जाये?
क्या, अब हमें खाने का बहाना ढूंढ रहे हो!
16B



सफर खामोशी से तय होता गया....
आखिर, एक दिन...
हम कल पहुंच जायें-गे...पायरस हमारा रास्त देख रहा होगा!
मैंने सोचा था, शायद कोई कुछ कहेगा! पर ये ज्ञान की बातें भला ये लोग क्या जाने!
हकीम जी...
क्या...?
पायरस कौन है..?
आह! यह सवाल अच्छा है!
पायरस - ग्रीस की राजधानी एथन्स की बन्दरगाह को कहते हैं! गॉली रिवाज के अनुसार, यात्रा की आखिरी रात उन्होंने शानदार जश्न मनाया..
और आखिरकार

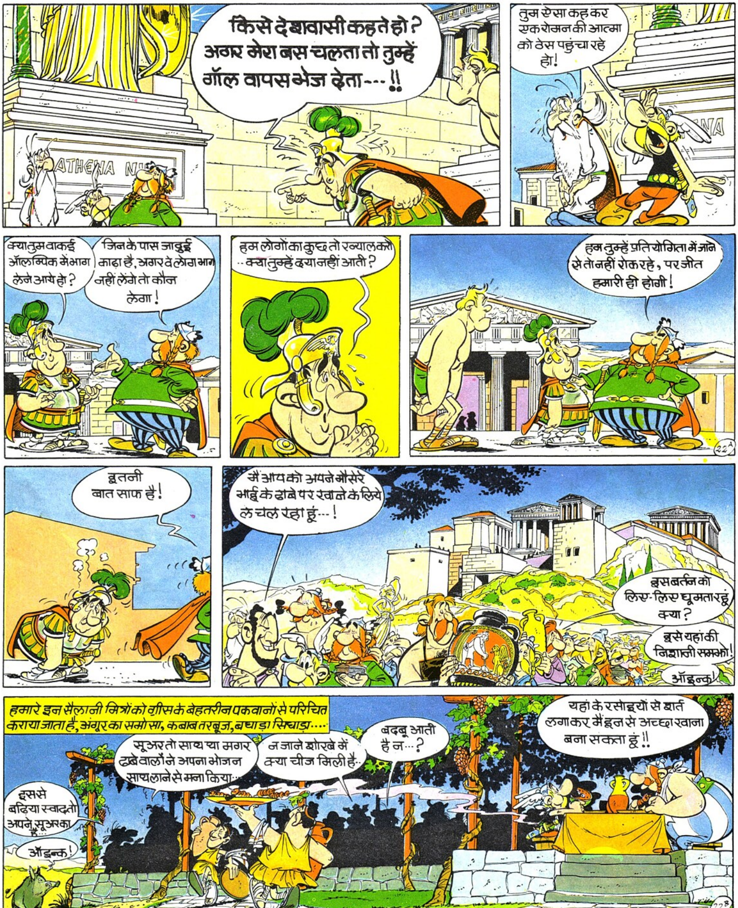

लड़को, हो सकता है कि यहां के लोगों को हमारी उज्ज्वल संस्कृति का ज्ञान न हो, मगर हम उनकी अज्ञानता का मजाक नहीं उड़ायेंगे...!
अब हम तट पर उतरते हैं-- सूअरों को मत भूलना!
एस्ट्रिक्स!
क्या बात है?
इन की वेशभूषा देखकर हंसी आती है
खबरदार, हंसना नहीं! बदतमीजी होगी!
मैं गाईड हूं, डाहूबेटिस नाम है मेरा! आप को रथ में बैठा कर एथेन्स की सैर करा सकता हूं!
18A
क्यों न ऑलम्पिया जाने से पहले राजधानी की सैर करली जाये, ऐतिहासिक शहर है!
क्या ख्याल है जवानो?
मकखीचोस की दुकान से आप अपनी मुद्रा के बदले स्थानीय मुद्रा ले सकते हैं! वह मेरा मौसेरा भाई है!
?
हमारा रथ चालक आपको पूरे आराम से ले चलेगा, खब्होस उस का नाम है, मेरा मोसेरा भाई है!
रुको, हमारा एक आदमी नहीं दिख रहा!
सी--टी
ही ही ही!
बुड्ढिक्स!
हां हां, आ रहा हूं... दल में घूमने से यही तो घाटा है... अपनी पसंद का कोई काम ही नहीं कर सकते!
18B


एथेन्स के एक होटल में....
शनि महाराज की कसम, बन्द करो यह काम!
मैंने सोचा है ऑलम्पिया में दूसरे रोमन खिलाड़ियों से मिलने से पहले तुम यहां कुछ दिन रह कर अपना हौसला दुरुस्त कर लो!
तुमने ठीक कहा मुझे शांत होने की कोशिश करनी चाहिये!
हां-और उन गॉलवासियों को भूल जाओ, उन्हें याद रखने का कोई मतलब नहीं!
जवानों हम आ गये! हुर्रे!
क्या? यह शोर कैसा है!?
देखूं तो!
क्या बात है...?
बकवास बंद और कोनों में झाड़ू लगाना न भूलना...!!
इतनी लम्बी यात्रा के बाद आपको जिस आराम की जरूरत है वह यहीं मिलेगा!
सूअरों का क्या करें?
इन्हें अपने साथ ही रखिये! इनकी बदबू से हमें और ग्राहक भगाने में मदद मिलेगी!



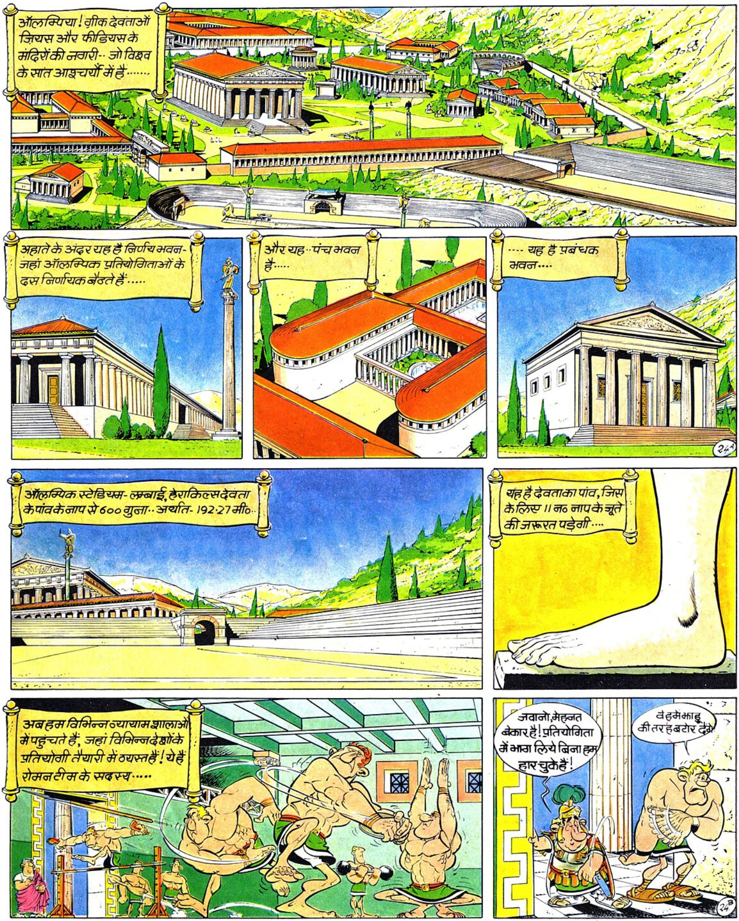
... काम ... याब .... एक दिन .....
गॉली रोमन टीम
इनसे कहो, यह गाना थोड़ा नीचे सुर में गायें!
गाने दो, हकीम जी! जब हमें जीतना ही है तो सारी दुनिया को क्यों न बतायें!
मैं आप को एथेन्स के सब से बढ़िया होटल में ले चलूंगा, वहां का मैनेजर मेरा मौसेरा भाई है!
ये घोड़े अच्छे हैं!
सही कहते हैं, जनाब, ये सब मेरे मौसेरे भाई हैं!
पहले मैं आप को आक्रोपोलिस दिखाऊंगा!
नहीं ओबेलिक्स यह मेरा मौसेरा भाई नहीं!
तो फिर.. मौसेरी बहन होगी!
हां, अगर तुम इस किले को बहन मानो!
एथेंस


होटल में जो कमरे मिले, वे सब को पसंद आये सिवाये सूअरों के....
मैं अभी से कहे देता हूं- मैं खिड़की बंद करके सोऊंगा!
जागो- डायबेटिस हमें ऐतिहासिक मंदिर की सैर कराने आया है!
उन्होंने पवित्र, प्राचीन मंदिर देखा, उस की तारीफ की और नाक-भौं सिकोड़ने से भी किसी से पीछे नहीं रहे....
इतने ऊंचे खंभे कैसे खड़े किये होंगे?
पतला कुआ खोद कर उसे उलट दिया होगा!
जिसे खंभे पसंद हों उनके लिए ठीक हैं!
तुम यहां क्या कर रहे हो?
देवता लोग खाने के लिए सूअर कहां से लाते होंगे?
वाह! वाह! क्या शानदार..!!
सचमुच!
इसी तरह खड़े रहिये!
देवी की यह मूर्ति कैसी लगी?
शानदार!
विदेशियों को मूर्ख बनाने के लिए ठीक है!
विदेशियों का नाम लेते ही हमारे देशवासी आ पहुंचे : देखो!
!



किसे देशवासी कहते हो? अगर मेरा बस चलता तो तुम्हें गॉल वापस भेज देता---!!
तुम ऐसा कह कर एक रोमन की आत्मा को ठेस पहुंचा रहे हो!
क्या तुम वाकई ऑलम्पिक में भाग लेने आये हो?
जिन के पास जादुई काढ़ा है, अगर वे लोग भाग नहीं लेंगे तो कौन लेगा!
हम लोगों का कुछ तो ख्याल करो ..क्या तुम्हें दया नहीं आती?
हम तुम्हें प्रतियोगिता में जाने से तो नहीं रोक रहे, पर जीत हमारी ही होगी!
इतनी बात साफ है!
मैं आप को अपने मौसेरे भाई के ढाबे पर खाने के लिये ले चल रहा हूं---!
इस बर्तन को लिए-लिए घूमता रहूं क्या?
इसे यहां की निशानी समझो!
ऑइन्क!
हमारे इन सैलानी मित्रों को ग्रीस के बेहतरीन पकवानों से परिचित कराया जाता है, अंगूर का समोसा, कबाब तरबूज, बघाड़ा सिंघाड़ा....
इससे बढ़िया स्वाद तो अपने सूअर का है...
ऑइन्क!
सूअर तो साथ था मगर ढाबे वालों ने अपना भोजन साथ लाने से मना किया...
न जाने शोरबे में क्या चीज मिली है..
बदबू आती है न...?
यहां के रसोइयों से शर्त लगा कर मैं इन से अच्छा खाना बना सकता हूं!!

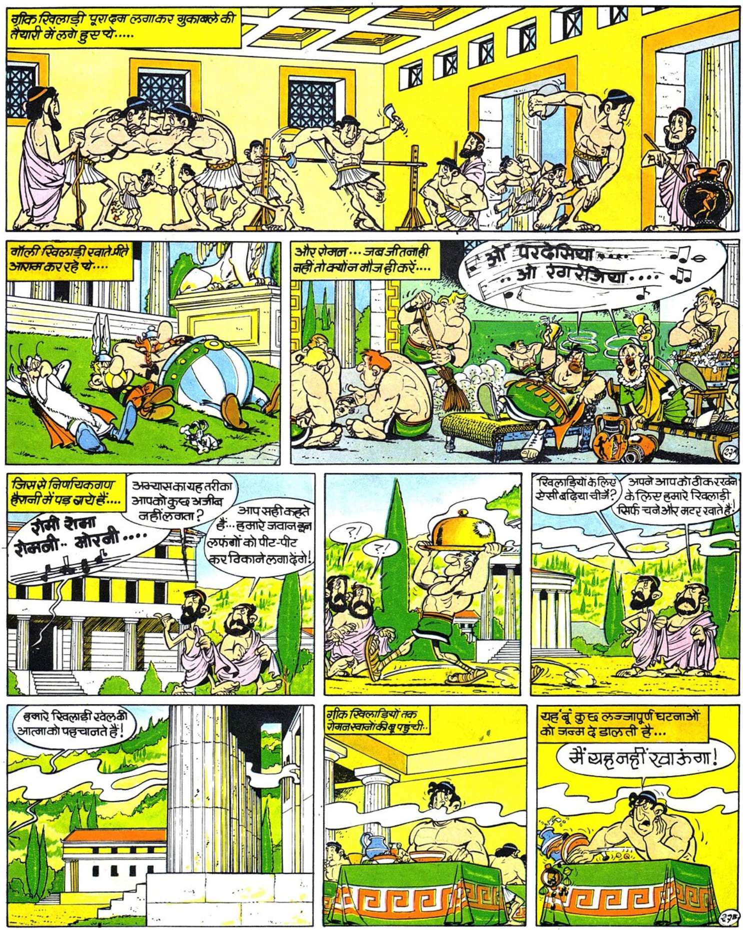

एथेन्स में हमारी यह आखिरी रात है! डायबिटिस ने एक अच्छे ढाबे का पता बताया है!
इस ढाबे के लोगों का समय अच्छा गुजरता है!
ग्रीकवासियों को नाच गाना बहुत पसंद है! अपना काफी समय ये लोग नाचते हुए बिताते हैं!
INVINOVERITAS
ताली! ताली!
?
आओ, आओ लड़को, मैं इन लोगों को कुछ गॉली-नाच के नमूने दिखा रहा हूं!
बात गॉली-नाच से ग्रीक नाच तक पहुंची....
ल..ला
ला ला
ल..ला
ला..ला
ल..ला
लललला..
नृत्य के साथ सोमरस....
बुद्धिक्स, अब चलो, सुबह होने वाली है!
एक आखिरी... ..हिच... सींग!
लगता है मैं दस साल जवान हो गया हूं!
दस साल घटाने से तुम्हारी उम्र हुई तिरासी साल!
ग्रीक हमारे दोस्त!
यह क्या है?
मैं जाकर देखता हूं!
प्रतिद्वंद्वी लोग अभ्यास कर रहे हैं!


ऑलम्पिया! ग्रीक देवताओं ज़ियस और फीडियस के मंदिरों की नगरी·· जो विश्व के सात आश्चर्यों में है······
अहाते के अंदर यह है निर्णय भवन-जहां ऑलम्पिक प्रतियोगिताओं के दस निर्णायक बैठते हैं·····
और यह··पंच भवन है·····
····यह है प्रबंधक भवन····
24A
ऑलम्पिक स्टेडियम- लम्बाई, हेराकिल्स देवता के पांव के नाप से 600 गुना··अर्थात- 192·27 मी॰·
यह है देवता का पांव, जिस के लिए 11 न॰ नाप के जूते की जरूरत पड़ेगी····
अब हम विभिन्न व्यायाम शालाओं में पहुंचते हैं, जहां विभिन्न देशों के प्रतियोगी तैयारी में व्यस्त हैं! ये हैं रोमन टीम के सदस्य·····
जवानो, मेहनत बेकार है! प्रतियोगिता में भाग लिये बिना हम हार चुके हैं!
वे हमें झाड़ू की तरह बटोर देंगे!
24B

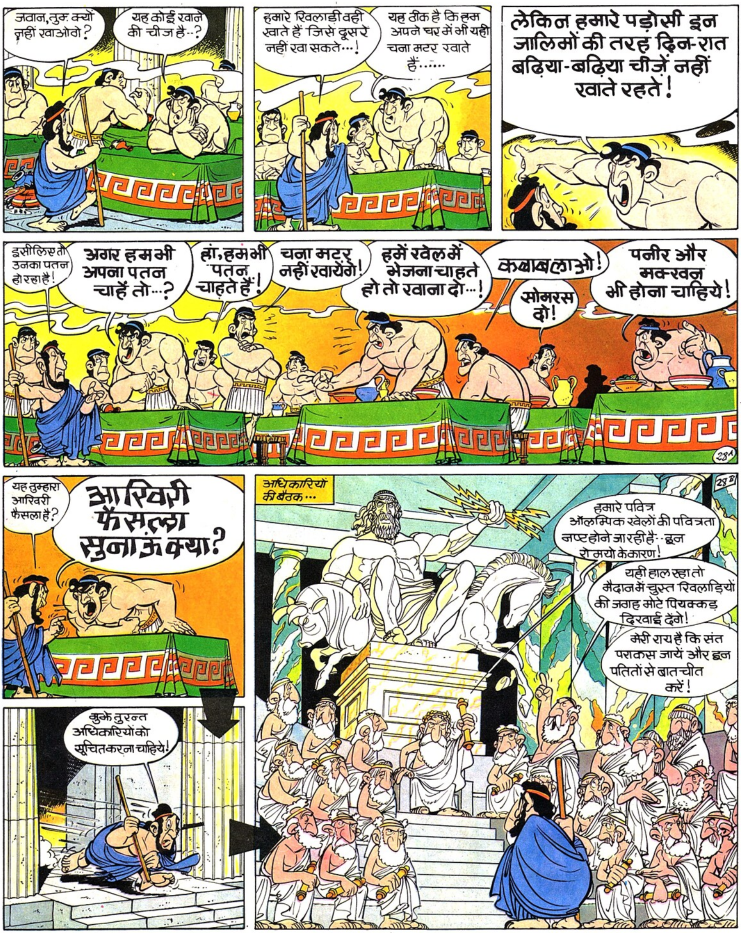

ऐसी बकवास करने की तुम्हें हिम्मत कैसे हुई, सूबेदार?
हमारी विशाल रोमन सेना के चुने हुए जवान हैं यह - इन्हें कोई माई का लाल नहीं पछाड़ सकता...!
कोई नहीं? बेटा बड़बोलस, जरा समझाओ इन्हें!
दो गॉल - एक छोटा, दूसरा मोटा, जिस का पेट जरा सा निकला हुआ है...
दोनों शर्बत की जगह काढ़ा पीते हैं हम सब मिल कर इन्हें नहीं हरा सकते!
!?
अगर हम एक-दो स्वर्ण-पंजा जीत कर नहीं गये तो जूलियस सीजर प्रसन्न नहीं होंगे!
बिलकुल नहीं होंगे!
इसी समय प्रवेश द्वार पर....
कसम देवताओं की, ये मैं क्या देख रहा हूं!?
हम भी रोमन हैं! हम भी खेल में भाग लेने आये हैं!
रोमन?
तुम्हारा मतलब - तुम सब...?
सिफ ये दो! एक छोटा वाला, दूसरा - जिसकी सेहत जरा अच्छी है!
रोम में आज-कल अजीब बातें हो रही हैं!
सच कह गये!



खिलाड़ियों और उनके प्रशिक्षक को ऑलम्पिक नगरी में जाने की अनुमति दी जाती है! वे अपना साज-सामान भी ले जा सकते हैं!
यह कुत्ता तुम्हारा सामान है?
नहीं यह साज है!
जवानो जीत के आना!
हम तुम्हारे पीछे हैं!!
डटे रहना!!!
क्या हाल है दोस्तो?
यही है! यही है!!
जरा मुझे भी देखने दो!
मेरा नाम है पगलाघोड़स! हर तरह की कुश्तियों में मैं रोम का प्रतिनिधि हूं!
सुना है, बहुत दम है तुम्हारे अन्दर! जरा मैं भी तो देखूं!!
दिखाओगे?
देखो!
ढिशूम
एस्ट्रिक्स, मैं भी दिखाऊं क्या?
मैं क्या बताऊं, इसी पहलवान से पूछो!
सीजर... जूलियस सीजर इन बातों को सुनकर क्या प्रसन्न होंगे?
एस्ट्रिक्स, पहलवान मुझे बताता नहीं!



ग्रीक खिलाड़ी पूरा दम लगाकर मुकाबले की तैयारी में लगे हुए थे.....
गॉली खिलाड़ी खाते-पीते आराम कर रहे थे....
और रोमन... जब जीतना ही नहीं तो क्यों न मौज ही करें....
ओ परदेसिया.... ..ओ रंग रसिया....
जिस से निर्णायकगण हैरानी में पड़ गये हैं....
अभ्यास का यह तरीका आपको कुछ अजीब नहीं लगता?
रोमी रोमा रोमनी.. मोरनी....
आप सही कहते हैं... हमारे जवान इन लफंगों को पीट-पीट कर ठिकाने लगा देंगे!
?!
?!
खिलाड़ियों के लिए ऐसी बढ़िया चीजें?
अपने आप को ठीक रखने के लिए हमारे खिलाड़ी सिर्फ चने और मटर खाते हैं!
हमारे खिलाड़ी खेल की आत्मा को पहचानते हैं!
ग्रीक खिलाड़ियों तक रोमन खानों की बू पहुंची...
यह बू कुछ लज्जापूर्ण घटनाओं को जन्म दे डालती है...
मैं यह नहीं खाऊंगा!


जवान, तुम क्यों नहीं खाओगे?
यह कोई खाने की चीज है..?
हमारे खिलाड़ी वही खाते हैं जिसे दूसरे नहीं खा सकते...!
यह ठीक है कि हम अपने घर में भी यही चना मटर खाते हैं......
लेकिन हमारे पड़ोसी इन जालिमों की तरह दिन-रात बढ़िया-बढ़िया चीज़ें नहीं खाते रहते!
इसीलिए तो उनका पतन हो रहा है!
अगर हम भी अपना पतन चाहें तो...?
हां, हम भी पतन चाहते हैं!
चना मटर नहीं खायेंगे!
हमें खेल में भेजना चाहते हो तो खाना दो...!
कबाब लाओ!
सोमरस दो!
पनीर और मक्खन भी होना चाहिये!
28A
यह तुम्हारा आखिरी फैसला है?
आखिरी फैसला सुनाऊं क्या?
मुझे तुरन्त अधिकारियों को सूचित करना चाहिये!
अधिकारियों की बैठक...
28B
हमारे पवित्र ऑलम्पिक खेलों की पवित्रता नष्ट होने जा रही है..इन रोमयो के कारण!
यही हाल रहा तो मैदान में चुस्त खिलाड़ियों की जगह मोटे पियक्कड़ दिखाई देंगे!
मेरी राय है कि संत पराकस जायें और इन पतितों से बातचीत करें!


यही है वह जगह जहां रोमन अभ्यास करते हैं!
मैं हूं संत पराकस-ऑल-म्पिक अधिकारियो से बड़ा!
और हमारे मेहमान बन जाओ जहां इतने लोग पी रहे हैं वहां एक और सही....
रोमनो, तुम्हें शर्म नहीं आती? जूलियस सीजर तुम्हें देखकर क्या प्रसन्न होंगे?
नहीं प्रसन्न होंगे! हैं न??
तुम सोचते हो कि सोमरस से तुम्हारी शक्ति बढ़ेगी?
ही ही ही! क्या पागल आदमी है!
29A
हमारे कानून के मुताबिक जो भी शक्ति बढ़ाने के लिए कृत्रिम पदार्थ का उपयोग करेगा उसे खेल में सम्मिलित नहीं किया जायेगा...!
जाओ पहलवान, अपना काम करो!
कसम शनि देवता की! रुको!
?
जल्द ही....
वहां हैं वे!
?
?
29B



यही लोग हैं!
क्या यह सच है कि तुम्हारे पास जादुई काढ़ा है जिसे तुम पीने का इरादा रखते हो!
हां यह सच है!
ऐसी चीज़ों का उपयोग सख्ती से मना है!
सख्ती से?
सख्ती से!
बिलकुल!
ऐसी स्थिति में मैं बाहर जाने और अपने मित्रों से सलाह करने के अनुमति चाहूंगा!
अनुमति दी गयी!
होहोहो! अब मैं जवानों को जाकर यह खुशखबरी सुनाता हूं!
बन्द करो बकवास! सावधान! खबरदार! लुच्चो! लफंगों, उठो बड़बोलस! उठो! अभ्यास का समय हो गया---!
मगर अभी तो हमने सिर्फ आठ पकवान खाये हैं!
नवां पकवान नहीं चलेगा!
आह! लफंगों ने आखिर कार अभ्यास शुरू कर ही दिया!



हमें मुखिया मोटू-मलिक्स से राय लेनी चाहिये!
इन्हीं किसी तम्बू में उन लोगों ने डेरा डाल रखा होगा!
एस्ट्रिक्स, आखिर मामला क्या है?
खबरदार, अगर गाना गाया!
हुंह! मैं अगर गाना न गाता तो वे लोग तम्बू छोड़ कर न भागते, न तुम यहां कब्जा जमा पाते!
यहीं हैं वे लोग!
हमारे जवान आये हैं, क्या बात है प्यारो?
हकीम जी ने किस्सा सुनाया तो सब लोग सन्नाटे में आ गये....
..अगर ऐसी बात है तो..
SCRONTCH
.. हमें अपना नाम वापस लेना पड़ेगा...
नहीं!
नहीं! हम पीछे नहीं हटेंगे.. भले ही सिर पर कफन बांधना पड़े-जादुई काढ़े के बिना---
यह हुई न बात! सन् 28 की लड़ाई में मैंने यही कहा था-कफन बांधकर बढ़ेंगे!
आज यह किस्सा मैं सौवीं बार सुन रहा हूं!

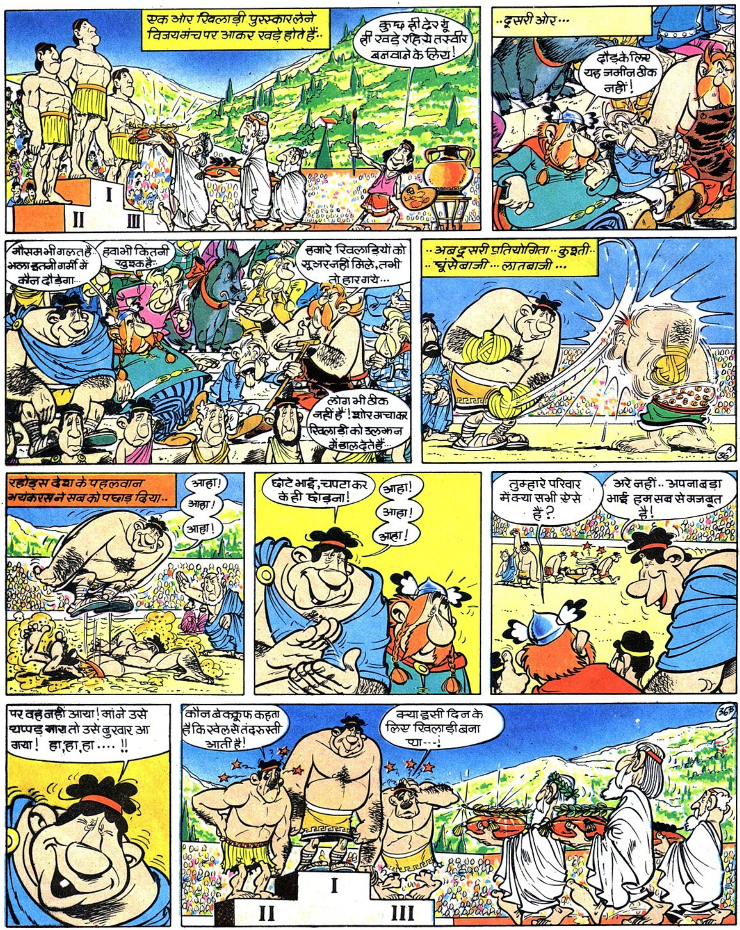

ओबेलिक्स तो अकेला ही काफी होगा...
अकेला क्यों भला ....?
नहीं, यह उचित नहीं होगा?
क्या उचित नहीं होगा ....?
बचपन में यह काढ़े के पतीले में गिर गया था!
!?!
क्या मतलब!
तुम्हारा मतलब है कि बचपन में काढ़े के पतीले में गिर जाने से मैं ऑलम्पिक में भाग नहीं ले सकता?
ठीक समझे!
मैं यही जानना चाहता था!
32A
कोई मुझे समझना ही नहीं चाहता!
?!
तो बात सपष्ट है! एस्ट्रिक्स खेल में भाग लेगा, ओबेलिक्स और वैद्यनाथिक्स उस को प्रशिक्षण देने की ड्यूटी संभालेंगे— और बाकी भगवान से प्रार्थना करेंगे...!
जब हम हैं तो एस्ट्रिक्स के हारने का सवाल ही पैदा नहीं होता!
कोई तो बुड्ढे का मुंह बंद करो!
हमारे लिए एक ही स्वर्ण-पंजा काफी होगा.. तुम्हें केवल दौड़ में भाग लेना है!
हमें जल्द से जल्द अहाते में जा कर अभ्यास शुरू कर देना चाहिये!
32B
लानत है ऐसे पतीला-विरोधी कानून पर...!


मैं दौड़ता हूं। हकीम जी, जरा रेत की घड़ी पर नजर रखना!
हूं.. बुरा नहीं! पर इतनी तेजी शायद उन प्रशिक्षित धावकों के मुकाबले में काफी न हो!
कहीं ऐसा तो नहीं कि यह घड़ी की रेत सही न हो!?
अब चलें.. आराम करें... ..कल खेल शुरू होगा... मुझे पूरा विश्वास है...
अगर हम उन अधिकारियों को पतीले के बजाये कटोरी में गिरने की बात बतायें तो?
उस रात... हर प्रतियोगी यश और सम्मान का सपना देखता है...
I
II
उस महान दिवस की सुबह आ पहुंची! जगत के हर कोने से दर्शक आ रहे हैं - केवल पुरूष! क्योंकि महिलाओं को यह खेल देखने की अनुमति नहीं..
एक दिन देखना इन्हीं खेलों में महिलाएं भाग लेंगी और नाम कमाकर जायेंगी!
अब देवी जी यह भी बतायेंगी कि यह एक दिन गाड़ी भी चलायेंगी!

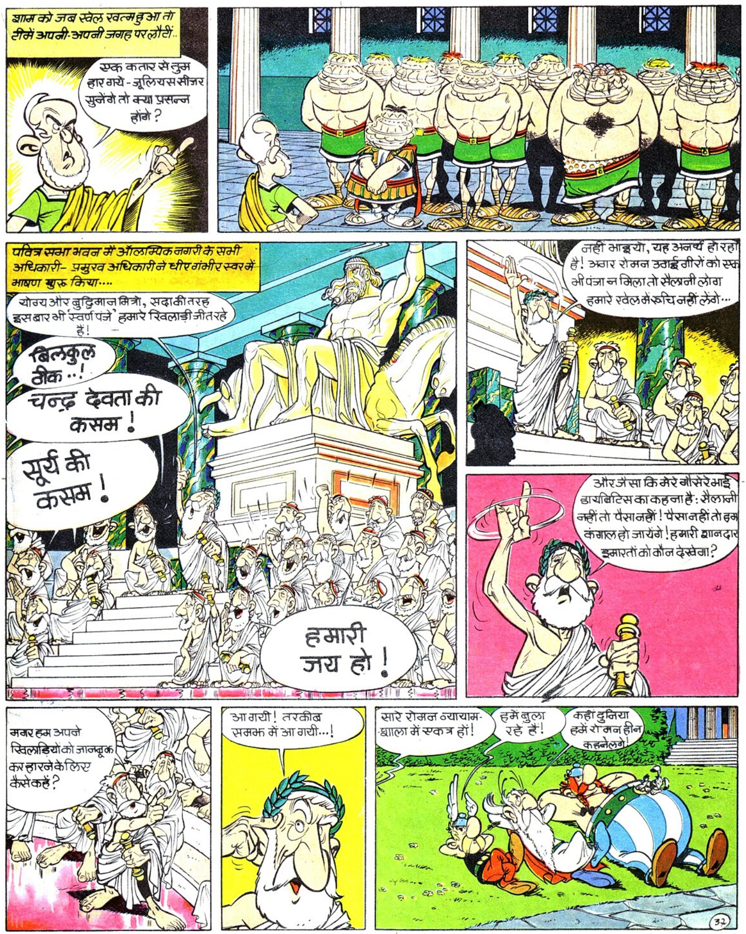

यही है
हमारी सीट!
हम पहले ही कह चुके हैं कि हम शांति और सम्मान से काम लेंगे और कोई ओछी हर्कत नहीं करेंगे !
मुखिया सही कहते हैं!
गॉल की जय हो
पवित्र अग्नि के सामने शपथ लेने के बाद..
ग्रीस हमारा पवित्र देश है और हम इसके पवित्र नागरिक! हम इस पवित्र खेल में भी पवित्र चेष्टाओं से काम लेंगे!
..खिलाड़ियों का प्रवेश स्टेडियम में होता है! सब से पहले थर्ममीटर देश के खिलाड़ी आते हैं....
थर्मामीटर
स्वाती के जवान अपने शारीरिक सौन्दर्य को सिर से पांव तक प्रदर्शित करते हुए नंगे पांव प्रवेश करते हैं...
स्वाती
रहोड्स से केवल एक भयंकर पहलवान आया..
रहोडस
डटे रहना, छोटे भाई!
श श.. खेल भावना इसे नहीं कहते!!
रोमन टीम के सदस्यों का स्वागत खामोशी से हुआ.. मगर अब जब कि उस टीम का आखिरी खिलाड़ी आया
एस्ट्रिक्स... डटे रहो कामयाब
गॉल



ग्रीक और रोमन धावक पहली दौड़ के लिए तैयार हैं....
दौड़ का संकेत देने वाले कर्मचारी ने दौड़ने का संकेत दिया....
दौड़ो!
गॉल! गॉल!!
एस्ट्रिक्स!
गॉ...ल!
स्पार्टा!
!
ठीक दौड़े एस्ट्रिक्स!
ग्रीक लोग काफी तेज हैं... रोमनों की भी अच्छी तैयारी है!
हकीम जी, अगर आपने काढ़ा किसी और बर्तन में पकाया होता तो शायद मैं भी इस प्रतियोगिता में भाग ले सकता!
तब तो हमारी पांचों उंगली घी में और सिर कड़ाही में होता!
पाठकों, अब आप देख सकते हैं कि यह कहावत प्राचीन ऑलम्पिक से प्रचलित है...



एक ओर खिलाड़ी पुरस्कार लेने विजयमंच पर आकर खड़े होते हैं..
कुछ ही देर यूँ ही खड़े रहिये तस्वीर बनवाने के लिए!
I
II
III
..दूसरी ओर...
दौड़ के लिए यह जमीन ठीक नहीं!
मौसम भी गलत है.. भला इतनी गर्मी में कौन दौड़ेगा...
हवा भी कितनी खुश्क है..
हमारे खिलाड़ियों को सूअर नहीं मिले, तभी तो हार गये...
लोग भी ठीक नहीं हैं! शोर मचाकर खिलाड़ी को उलझन में डाल देते हैं...
..अब दूसरी प्रतियोगिता.. कुश्ती.. ..घूंसेबाजी... लातबाजी...
रहोड्स देश के पहलवान भयंकरस ने सब को पछाड़ दिया..
आहा!
आहा!
आहा!
छोटे भाई, चपटा कर के ही छोड़ना!
आहा!
आहा!
आहा!
तुम्हारे परिवार में क्या सभी ऐसे हैं?
अरे नहीं.. अपना बड़ा भाई हम सब से मजबूत है!
पर वह नहीं आया! मां ने उसे थप्पड़ मारा तो उसे बुखार आ गया! हा, हा, हा .... !!
कौन बेवकूफ कहता है कि खेल से तंदरुस्ती आती है!
क्या इसी दिन के लिए खिलाड़ी बना था---!
I
II
III


शाम को जब खेल खत्म हुआ तो टीमें अपनी-अपनी जगह पर लौटीं..
एक कतार से तुम हार गये - जूलियस सीज़र सुनेंगे तो क्या प्रसन्न होंगे?
पवित्र सभा भवन में ऑलम्पिक नगरी के सभी अधिकारी- प्रमुख अधिकारी ने धीर गंभीर स्वर में भाषण शुरू किया....
योग्य और बुद्धिमान मित्रो, सदा की तरह इस बार भी 'स्वर्ण पंजे' हमारे खिलाड़ी जीत रहे हैं!
बिलकुल ठीक..!
चन्द्र देवता की कसम!
सूर्य की कसम!
हमारी जय हो!
नहीं भाइयो, यह अनर्थ हो रहा है! अगर रोमन उठाईगीरों को एक भी पंजा न मिला तो सैलानी लोग हमारे खेल में रुचि नहीं लेंगे...
और जैसा कि मेरे मौसेरे भाई डायबिटिस का कहना है: सैलानी नहीं तो पैसा नहीं! पैसा नहीं तो हम कंगाल हो जायेंगे! हमारी शानदार इमारतों को कौन देखेगा?
मगर हम अपने खिलाड़ियों को जानबूझ कर हारने के लिए कैसे कहें?
आ गयी! तरकीब समझ में आ गयी...!
सारे रोमन व्यायाम-शाला में एकत्र हों!
हमें बुला रहे हैं!
कहीं दुनिया हमें रोमन हीन कहने लगे!
32



रोमनो, कल पच्चीस कदम की एक अतिरिक्त दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन होगा जिसमें केवल रोमन राज्य के प्रतियोगी भाग लेंगे!
तुम में से जो सब से कमजोर हो देवता उसे कामयाब करे… यही हमारी दुआ है!
काश तुम दौड़ में भाग लेने से पहले एक घूंट जादुई काढ़ा पी सकते!
जादुई काढ़ा?..वही जो छत के नीचे पतीले में रखा हुआ है….?
हां..वही..मेरा मतलब जादुई काढ़ा…
वह पतीला जो उस छत के नीचे रखा है- वह छत जिसका दरवाजा बंद नहीं होता…
38A
वह पतीला जो उस छत के नीचे रखा है- वहीं जहां रात को कोई चौकीदार भी नहीं होता..तुम्हारा मतलब क्या उसी जादुई काढ़े वाले पतीले से हैं?
हां… हां.. वही!
लेकिन उस पतीले का काढ़ा जो छत के नीचे रखा है, हमें उस काढ़े को पीने की अनुमति नहीं!
वही छत जिस का दरवाजा ठीक से बंद नहीं होता…..
?!
हा हा हा! हो हो हो!!
यह सब क्या हो रहा है?
ओबेलिक्स, तुम हम सब से ज्यादा सूझबूझ वाले हो!
?
डॉगमैटिक्स, देख रहे हो तुम? जब से एस्ट्रिक्स और हकीम जी रोमन बने हैं इन का दिमाग फिर गया है….
38B

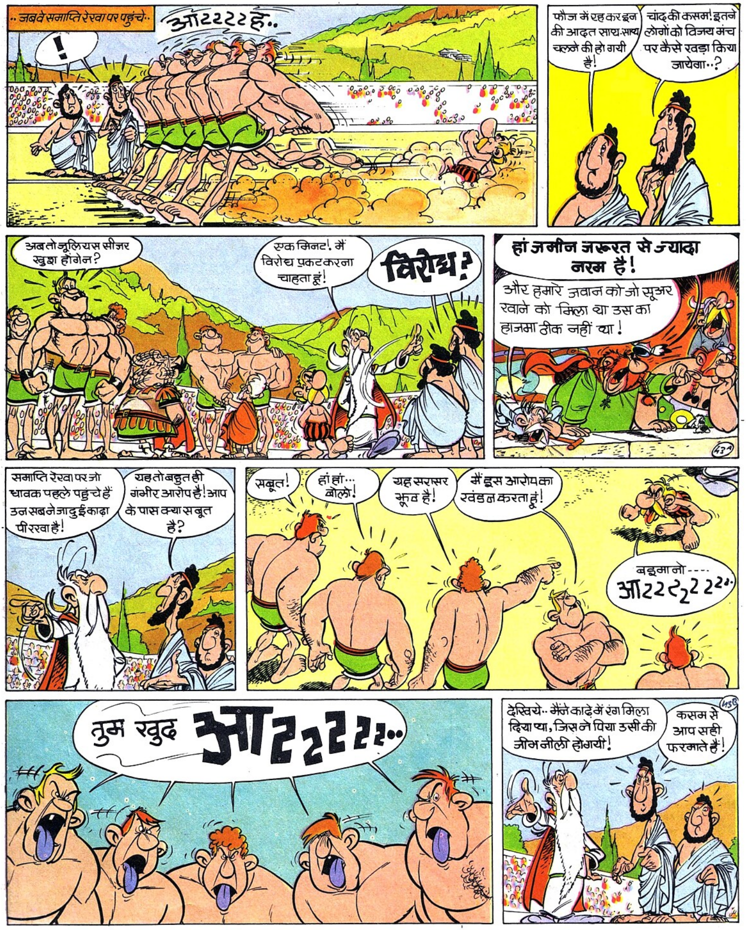

लोहातोड़स बड़बोलस, जरा इधर तो आओ!
हमारी तरक्की तभी हो सकती है जब सीजर प्रसन्न होंगे और सीजर तभी प्रसन्न होंगे जब तुम स्वर्ण पंजा प्राप्त करोगे!
मेरे विचार से उस तरफ एक छत है, जिसका दरवाजा ठीक से बंद नहीं होता और जहां रात को पहरेदार भी नहीं होता...
एक पतीला जादुई काढ़े वाला
श श श श!
अच्छा साथियो, हम जरा काम से जाते हैं!
प्यारे महात्वाकांक्षस, सुनो तो जरा...
ज्यादा चिन्ता से सेहत बिगड़ती है! अंधेरा होने वाला है सब जाकर सो जाओ... सुबह जल्दी उठना है!
हम तो.. जरा यूं ही टहलने जा रहे थे..
जूलियस सीजर यह सुन कर प्रसन्न नहीं होंगे कि रोमन लोग साथ नहीं रहते थे....
.... होंगे क्या?
उसी रात.....
?

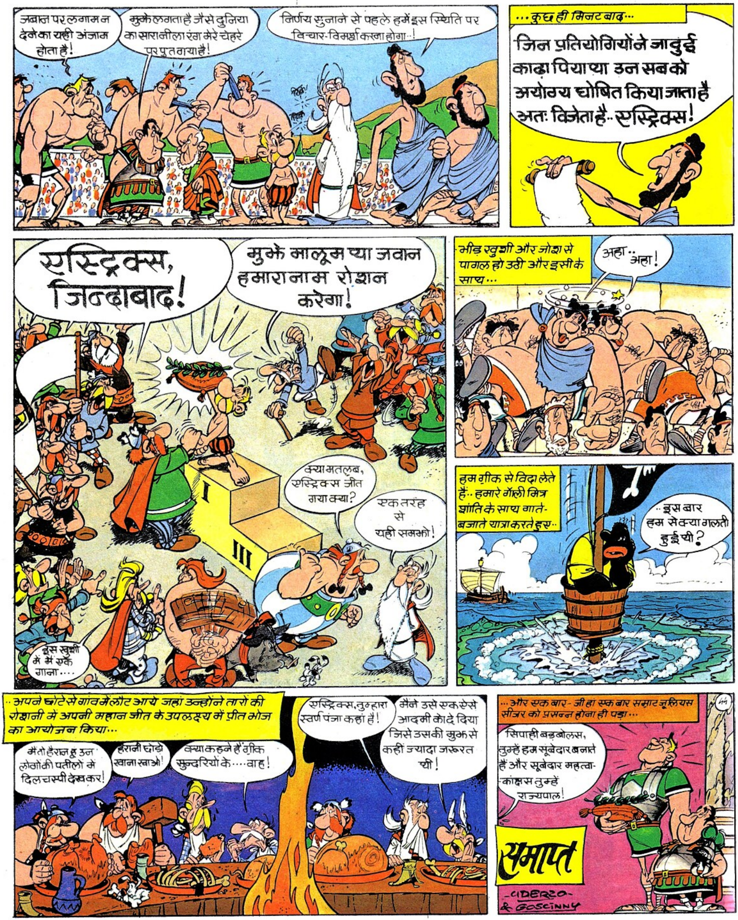

?
हकीमजी, सुनो! भौकिक्स ने अभी मुझे जगाया है! कुछ लोग उस छत के पास घूम रहे हैं जिस का दरवाजा ठीक से बंद नहीं होता, जहां जादुई काढ़े का पतीला रखा है...
भौकिक्स, तुम महान हो!
अपने इस महान कुत्ते से कहो कि चुपचाप सोये, और हमें भी सोने दें!
लेकिन अगर वे पतीला चुराने वाले लोग हुए तो?
इस देश में पतीला चुराना अपराध नहीं माना जाता!
?!
भौकिक्स, अगर ऐसी बात है तो इस देश के लोग अपने पतीले की रक्षा कैसे करते होंगे?
इस देश के लोग सचमुच पागल हैं!
कुकड़ूक्यों..
25 कदम की दौड़ प्रतियोगिता की सुबह! आशाओं से भरे हुए खिलाड़ी लाइन बनाकर मैदान में पहुंचे...
सारे प्रतियोगी अपनी अपनी जगह पर खड़े हो जायें!

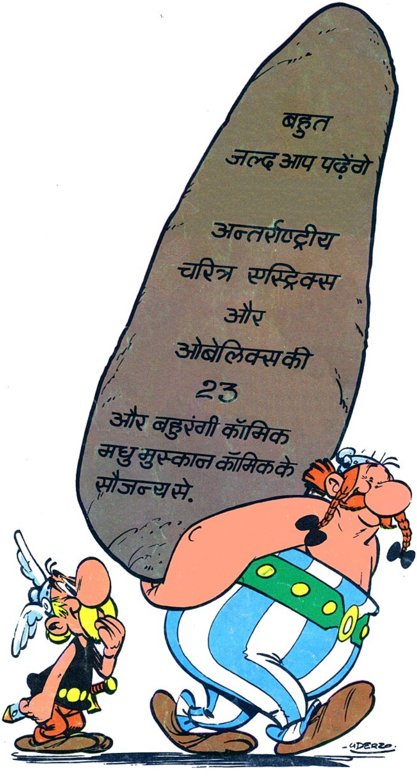


हीहीही...!
ख्राख्रा ख्रा..
आज तो ये सारे आत्म-विश्वास से भरे हुए हैं!
इसी अति आत्म--विश्वास के कारण तो रोमन सभ्यता खंडहर में बदलती जा रही है!
हकीम जी, क्यों न उस छत के नीचे जा कर देखें कि दरवाज़ा ठीक से बंद क्यों नहीं होता...
हां हां.... मुझे मालूम है!
क्या यह भी मालूम है कि पतीला खाली है?
ओबेलिक्स, यह समय बातों में गंवाने का नहीं.. चुपचाप जा कर दर्शकों में बैठो!
ठीक है, मुझे क्या! जब पतीला भी गायब हो जायेगा तो सिर पीटोगे हकीम जी!
नहीं तुम यहां नहीं बैठ सकते, यह जगह मेरे भाई के लिए है...!
?
यह जगह किसी की बपौती नहीं है और मैं मज़ाक के मूड में नहीं हूं!
मज़ाक करने वाले की ऐसी की तैसी!
कसम बरसावन देवता की, कैसे-कैसे लोग हैं!
?!
तुम ने मेरे भाई को देखा है...?
?!
बड़े बेहया हो.. फिर आ गये...
?
धड़ाम


सावधान!
जल्दी बोलो!
ही ही ही!
कसम ज्ञानि देवता की बहुत देर लगा रहे हो!
दौड़ो!
निकल गये!
दर्शकों के उत्साह की...
गॉल की जय!
ए-स्ट्रि-क्स! ए-स्ट्रि-क्स!
गॉली बहादुर!
पतीला खाली है... और इन लोगों को फिक्र ही नहीं!
.... सीमा न रही!
अहा... अहा... अहा!
मगर जल्द ही दौड़ ने एक नया रुख लिया...
ज़मीन सचमुच ठीक नहीं है....!
एस्ट्रिक्स ने ज़रूर किसी ऐसे सूअर को खाया होगा जिसे बद-हज़मी रही होगी!
जान लड़ा दूंगा!
.. सब से पीछे वाला सब को पछाड़ कर आगे निकल आया....
गर्रर....


..जब वे समाप्ति रेखा पर पहुंचे..
ऑररररह..
!
फौज में रह कर इन की आदत साथ-साथ चलने की हो गयी है!
चांद की कसम! इतने लोगों को विजय मंच पर कैसे खड़ा किया जायेगा..?
अब तो जूलियस सीज़र खुश होंगे न?
एक मिनट! मैं विरोध प्रकट करना चाहता हूं!
विरोध?
हां ज़मीन ज़रूरत से ज्यादा नरम है!
और हमारे जवान को जो सूअर खाने को मिला था उस का हाजमा ठीक नहीं था!
समाप्ति रेखा पर जो धावक पहले पहुंचे हैं उन सब ने जादुई काढ़ा पी रखा है!
यह तो बहुत ही गंभीर आरोप है! आप के पास क्या सबूत है?
सबूत!
हां हां... बोलो!
यह सरासर झूठ है!
मैं इस आरोप का खंडन करता हूं!
बदमाशो----
आररररररर..
तुम खुद आरररररर..
देखिये.. मैंने काढ़े में रंग मिला दिया था, जिस ने पिया उसी की जीभ नीली हो गयी!
कसम से आप सही फरमाते हैं!


जबान पर लगाम न देने का यही अंजाम होता है!
मुझे लगता है जैसे दुनिया का सारा नीला रंग मेरे चेहरे पर पुत गया है!
निर्णय सुनाने से पहले हमें इस स्थिति पर विचार-विमर्श करना होगा..!
...कुछ ही मिनट बाद...
जिन प्रतियोगियों ने जादुई काढ़ा पिया था उन सब को अयोग्य घोषित किया जाता है अतः विजेता है.. एस्ट्रिक्स!
एस्ट्रिक्स, जिन्दाबाद!
मुझे मालूम था जवान हमारा नाम रोशन करेगा!
क्या मतलब, एस्ट्रिक्स जीत गया क्या?
एक तरह से यही समझो!
इस खुशी में मैं एक गाना....
भीड़ खुशी और जोश से पागल हो उठी और इसी के साथ...
अहा.. अहा!
हम ग्रीक से विदा लेते हैं.. हमारे गॉली मित्र शांति के साथ गाते-बजाते यात्रा करते हुए..
..इस बार हम से क्या गलती हुई थी?
..अपने छोटे से गांव में लौट आये जहां उन्होंने तारों की रोशनी में अपनी महान जीत के उपलक्ष्य में प्रीत भोज का आयोजन किया...
मैं तो हैरान हूं उन लोगों की पतीलों में दिलचस्पी देखकर!
हैरानी छोड़ो खाना खाओ!
क्या कहने हैं ग्रीक सुन्दरियों के....वाह!
एस्ट्रिक्स, तुम्हारा स्वर्ण पंजा कहां है!
मैंने उसे एक ऐसे आदमी को दे दिया जिसे उसकी मुझ से कहीं ज्यादा जरूरत थी!
...और एक बार - जी हां एक बार सम्राट जूलियस सीज़र को प्रसन्न होना ही पड़ा...
सिपाही बड़बोलस, तुम्हें हम सूबेदार बनाते हैं और सूबेदार महत्वा-कांक्षस तुम्हें राज्यपाल!
समाप्त
-UDERZO-
& GOSCINNY



Printed and Published by Gowardhan Kapur at Gowarsons Publishers (P) Ltd., Gulab House, Mayapuri, New Delhi-110 064



Edited & Posted by

PBC

at

bookscomics.blogspot.com

Scanned

by

A fan

from

European Union